

वशिव हदि दविस

प्रतविरष 10 जनवरी को दुनया भर में हदि भाषा को बढावा देने हेतु 'वशिव हदि दविस' (WHD) मनाया जाता है।

- इस वरष (2022) वशिव हदि दविस के अवसर पर यूनेस्को के 'वशिव धरोहर केंद्र' (WHC) ने अपनी वेबसाइट पर भारत के वशिव धरोहर स्थलों के हदि वविरण प्रकाशति करने पर सहमतवियक्त की है।
- 'वशिव धरोहर केंद्र' की स्थापना वरष 1992 में वशिव वरिसत से संबधति सभी मामलों के समन्वय हेतु की गई थी। यह केंद्र वशिव वरिसत समति और उसके ब्यूरो के वार्षिकि सत्र का आयोजन करता है तथा साइट के नामांकन में राज्यों के दलों को सलाह प्रदान करता है।

प्रमुख बदि

- **वशिव हदि दविस**
 - इस दविस को पहली बार वरष 2006 में 10 जनवरी, 1975 को नागपुर में आयोजति पहले 'वशिव हदि समेलन' की वरषगाँठ के उपलक्ष्य में मनाया गया था। यह 'राष्ट्रीय हदि दविस' से अलग है।
 - यह दविस दुनया के वभिन्न हसिंओं में स्थति भारतीय दूतावासों द्वारा भी मनाया जाता है।
 - वशिव हदि सचवालय भवन का उदघाटन वरष 2018 में मॉरीशस में कया गया था।
- **राष्ट्रीय हदि दविस:**
 - देवनागरी लपि में हदि को 14 सतिंबर, 1949 को भारत गणराज्य की आधिकारिकि भाषा के रूप में अपनाया गया था। इसलये हर वरष 14 सतिंबर को हदि दविस के रूप में मनाया जाता है।
 - काका कालेलकर, मैथलि शरण गुप्त, हजारी प्रसाद द्वविदी, सेठ गोवदिदास ने हदि को राजभाषा बनाने में महत्त्वपूर्ण योगदान दया।
 - हदि **आठवीं अनुसुची** में शामिल भाषा भी है।
 - अनुच्छेद 351 'हदि भाषा के वकिस के नरिदेश' से संबधति है।
- **हदि को बढावा देने हेतु सरकार की पहल:**
 - वरष 1960 में केंद्रीय हदि नदिशालय की स्थापना भारत सरकार के शकषा मंत्रालय के तहत की गई थी।
 - **भारतीय सांस्कृतिकि संबध परिषद** (Indian Council for Cultural Relations- ICCR) ने वदिशों में वभिन्न वदिशी वशिववदिद्यालयों/संस्थानों में 'हदि पीठ' की स्थापना की है।
 - लीला (LILA)-राजभाषा (लर्नगि इंडयिन लैंग्वेज थ्रू आर्टफिशियल इंटेलजेंस) हदि सीखने के लये एक मल्टीमीडया आधारति स्व-शकषण अनुप्रयोग है।
 - ई-सरल हदि वाक्य कोष (E-Saral Hindi Vakya Kosh) और ई-महाशब्दकोश मोबाइल ऐप (E-MahashabdKosh Mobile App), राजभाषा वभाग की दो पहलें हैं जनिका उद्देश्य हदि के वकिस के लये सूचना प्रौद्योगिकि का उपयोग करना है।
 - राजभाषा गौरव पुरस्कार और राजभाषा कीर्ति पुरस्कार हदि में योगदान हेतु प्रदान कये जाते हैं।

हदि भाषा:

- हदि भाषा को अपना नाम **फारसी शब्द 'हदि' से प्राप्त हुआ है, जसिका अरथ है 'सधु नदी' की भूमि**। 11वीं शताब्दी की शुरुआत में तुर्की के आक्रमणकारयों ने सधु नदी के आसपास के क्षेत्र की भाषा को हदि यानी 'सधु नदी की भूमिकि भाषा' नाम दया।
- यह भारत की राजभाषा है, अंगरेजी दूसरी अन्य **राजभाषा** है।
- भारत के बाहर कुछ देशों में भी हदि बोली जाती है, जैसे मॉरीशस, फजि, सूरीनाम, गुयाना, त्रनिदिद और टोबैगो तथा नेपाल में।
- हनिदी अपने वर्तमान स्वरूप में वभिन्न अवस्थाओं के माध्यम से उभरी है जसिके दौरान इसे अन्य नामों से जाना जाता था। पुरानी हदि का सबसे प्रारंभिक रूप **अपभ्रंश (Apabhramsa)** था। **400 ईस्वी में कालदास ने अपभ्रंश में वकिर्मोर्वशयिम** नामक एक रोमांटिकि नाटक लखा।
- आधुनिकि देवनागरी लपि 11वीं शताब्दी में अस्ततित्व में आई।

स्रोत: द हदि

